

श्री विद्या चरण शुक्ल : प्रशासनिक सुधारों में ये सब बातें शामिल होती हैं। जब आयोग की सिफारिशें आयेंगी, तो इन सब प्रश्नों पर विचार किया जायेगा।

SHRI R. K. AMIN : May I know how many States have accepted the recommendation for establishing planning units in the States on the lines recommended by the Administrative Reforms Commission, and how many have already done it?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : The hon. Home Minister has already indicated that the process of consultation is still going on with various State Governments and it would not be proper to say anything about that at this stage.

SHRIMATI LAKSHMIKANTHAM<sup>8</sup> MA : May I know whether any of the study groups has recommended that smaller Ministries should be there at the Centre as well as in the States, and if so, whether that recommendation will be accepted?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : The study groups will place their recommendations before the commission, and after the commission formulate their views, they will be communicated to us.

SHRI SURENDRANATH DWIVEDY : May I know whether the present expansion of the central cabinet is based on the recommendation of the commission?

SHRI S. S. KOTHARI : May I know whether the Administrative Reforms Commission is considering the question of granting more autonomy to public sector enterprises so as to improve their working and so that they might be able to take independent decisions which are vitally necessary if commercial undertakings are to run on an economic basis?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : I have already indicated that this report has been received by us and we are considering that report.

SHRI S. S. KOTHARI : Does the report contain any such suggestion?

SHRI KRISHNA KUMAR CHATTERJI : Will the hon. Minister agree with

me that a new outlook is necessary in the changed circumstances? In view of the fact that the Administrative Reforms Commission came into existence under different circumstances and now a new thinking is essential and a new way of dealing with the matter is also necessary, may I know whether the hon. Minister would agree that a new thinking is necessary?

SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA : The commission itself has been appointed to see what new thinking can be introduced in administration and in the methods of administration, and after their recommendations are received, we shall be able to see how useful they are and how they can be implemented.

काश्मीर और राजस्थान में विदेशों में निर्मित हथियारों का पकड़ा जाना

62. श्री हुकूम चन्द कच्छवाय : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले दो वर्षों में काश्मीर और राजस्थान के सीमा क्षेत्रों में विदेशों में निर्मित शस्त्रास्त्र पकड़े गये थे;

(ख) यदि हां, तो उनकी संख्या और अन्य ब्योरा क्या हैं; और

(ग) सरकार ने इस बारे में क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री यशवन्तराव चव्हाण) :

(क) और (ख). सदन के सभा पटल पर एक विवरण रखा गया है।

(ग) प्राप्त सूचना के अनुसार जम्मू तथा काश्मीर सरकार ने इस बारे में 20 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था जिन में से सात को सजा हुई, चार पर मुकदमें चल रहे हैं और अन्य मामलों की जांच की जा रही है।

राजस्थान सरकार ने सूचना दी है कि उन्होंने दस व्यक्तियों पर मुकदमें चलाये हैं इन व्यक्तियों से बरामदगी हुई थी। एक मामले से सम्बन्धित दो पाकिस्तानी मुठभेड़ में मारे गये थे।

### विबरण

उपलब्ध सूचना के अनुसार पिछले दो वर्षों के दौरान जम्मू तथा काश्मीर और राजस्थान से विदेशों में निर्मित निम्नलिखित शस्त्रास्त्र बरामद हुये :

#### (1) जम्मू तथा काश्मीर से—

हथ गोले	290
303 के कारतूस	30,129
स्टेनगन के कारतूस	7,794
स्टेनगन की मँगजीन	1
कारतूस	278
9 मिलीमीटर की स्टेनगन के कारतूस	6,004
45 बोर इन्फील्ड रिवाल्वर (12 कारतूसों के साथ)	1
81 मिलीमीटर मीटार् बम्ब	8
. 12 बोर शीटगन राइफलें	3
. 12 बोर के कारतूस	34
राइफल	1
पिस्तौल	1
हल्की मशीन गन	1
त्राज्बिग गन के कारतूस	240
टैंक भेदक गोले	5
कुछ डेटोनेटर फ्यूज आदि भी बरामद हुए	

#### (2) राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र से—

. 32 बोर रिवाल्वर	15
. 38 बोर रिवाल्वर	2
राइफलें (19 कारतूसों के साथ)	3
. 32 बोर पिस्तौलें	2
पिस्तौल	1

श्री हुकम चन्द कछवाय : मंत्री महोदय ने हथियारों के सम्बन्ध में कुछ आंकड़े दिये हैं, लेकिन उन्होंने यह खुलासा नहीं किया है

कि जो हथियार पाए गए हैं, वे किन देशों के बने हुए थे। काश्मीर में जो घुसपैठिये आ रहे हैं वे अपने साथ काफी भारी संख्या में हथियार ला रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार की यह एजेन्सी काफी कमजोर है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस एजेन्सी को सक्रिय और तेज करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

SHRI Y. B. CHAVAN : As I have said on many occasions already, when these arms are found out, the markings on them are generally erased, but it is a matter of circumstantial evidence by which we can infer where they came from. Most of the arms that we found in Kashmir naturally have come across the ceasefire line. In some cases, where they were found in the houses of certain persons, those persons were arrested. But most of the arms that were found in Jammu and Kashmir were also found in a rather concealed condition; possibly they can be traced back to the infiltrators who came in 1965, and they might have been left behind by them; that is also a sort of possibility.

As far as the machinery is concerned, I do not agree with the hon. Member that it is weak. It is effective. It can be seen from its working during the last few years that it has been effective.

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या मंत्री महोदय का ध्यान राजस्थान की हाल ही की उस घटना की तरफ गया है, जिस में लोक सभा के भूतपूर्व अध्यक्ष और राजस्थान के वर्तमान राज्यपाल, सरदार हुकम सिंह, जब सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करने के लिए गए, तो उन का मार्ग बदल दिया गया और उनके जाने से पहले ट्रक नं० 330 के पहिये से एक बम फूट गया और दो बम और पाए गए ? उस में पाकिस्तान के निशान थे। इसी प्रकार जब हमारे थल सेनाध्यक्ष जनरल कुमारमंगलम उस क्षेत्र में गये थे तब उन पर भी गोलाबारी की गई थी। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने इस मामले को

अब तक दबा कर रखा है, यदि हां तो क्या वह इस को ओपन करेगी, और जिस प्रकार के हथियार पाये गये उन के लिये उस क्षेत्र में जो गतिविधि चल रही है उन के सम्बन्ध में सरकार क्या कदम उठायेगी ?

SHRI Y. B. CHAVAN : I do not think there is anything that can be concealed, because the information that I have placed on the Table of the House is the information that I have received from the State Government.

SHRI A. B. VAJPAYEE : It is not complete.

SHRI SURENDRANATH DWIVEDI : About this particular incident which he mentioned about the tour of the Governor of Rajasthan when a bomb exploded.

SHRI Y. B. CHAVAN : I have to find out. The Governor met me only two days before, he did not mention it to me. When it is mentioned here, I will have to find out from him.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूँ। मेरा निवेदन है कि राजस्थान के सम्बन्ध में जो कुछ गृह मंत्री ने रखा है वह पूरा नहीं है। या तो उन को कुछ मालूम नहीं है, अगर मालूम है तो वह सदन से उस को छिपा रहे हैं। यह चीज समाचारपत्रों में छप चुकी है कि जब राज्यपाल हुकम सिंह सितम्बर के अन्तिम सप्ताह में राजस्थान के सीमा प्रदेश का दौरा करने के लिये गये तो जिस मार्ग से उन की मोटर जानी थी उस मार्ग पर दस दस पाउंड वजन के बम पाये गये। अब तक गृह मंत्रालय ने इस बात का खण्डन नहीं किया है।

MR. SPEAKER : He says he will enquire into it. He is not aware of it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मेरा आरोप यह है कि पहले तो राजस्थान सरकार ने इस बात को दबाया और अब गृह मंत्री भी इस में शामिल मालूम पड़ते हैं।

SHRI Y. B. CHAVAN : It is a very cheap allegation that has been made. Here is an allegation that is being made. I shall have to find out. What is the idea of saying that it is concealed and this and that ?

श्री हुकम चन्द कछवाय : समाचारपत्रों में पन्द्रह दिन पहले चीजें आ जाती हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं इस प्रकार के आरोप लगाने की मनःस्थिति में कभी नहीं रहा हूँ। गृह मंत्री महोदय यह बात स्वीकार करेंगे कि मैं इस प्रकार से असत्य आरोप नहीं लगाता हूँ।

श्री यशवन्तराव चव्हाण : मैं कह रहा हूँ कि मैं इतला ला कर आप के सामने रखूंगा।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : क्या गृह मंत्रालय का समाचारपत्रों को सम्मुख रखने वाला विभाग इस ओर से अपनी आंखें मूंद कर काम कर रहा है ?

श्री यशवन्तराव चव्हाण : मैं ने यही कहा है कि यह इतला मुझे लानी पड़ेगी। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि होम मिनिस्ट्री के पास इतला नहीं है। इतला इस वक्त मेरे पास नहीं है। और यह कहने का मेरा हक है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैंने जो कुछ कहा उस का जवाब मंत्री महोदय ने नहीं दिया।

SHRI BEDABRATA BARUA : It is well known that very large quantities of foreign arms are pouring into Assam Apart from getting information....

MR. SPEAKER : This is specifically about Kashmir and Rajasthan.

SHRI BEDABRATA BARU : I am speaking about foreign arms, because foreign arms are also pouring into Assam.

MR. SPEAKER : The question is about Kashmir and Rajasthan.

SHRI SHEO NARAIN rose...—

MR. SPEAKER : You cannot get a chance on every question.

**SHRI SURENDRANATH DWIVEDY :** If he is made a Deputy Minister, he will not trouble you.

**SHRI HEM BARUA :** He has been denied Deputy Ministership, and you deny him the privilege of putting questions.

**MR. SPEAKER :** I know he will get if a voting is taken, but unfortunately Ministers are not made by voting !

**श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :** क्या सरकार को यह मालूम है कि काश्मीर में कुछ लोगों के पास हथियार पकड़े गये जो पाकिस्तान के थे और उन के साथ-साथ कुछ कागजात भी पकड़े गये, जिन से यह मालूम होता है कि काश्मीर के कुछ बड़े लोग इस सजािश में हैं और उन का हाथ इस के पीछे है। खयाल यह है कि जब छोटे लोग इस तरह की कार्रवाई करते हैं तो उन के खिलाफ कदम उठाये जाते हैं, परन्तु जो बड़े लोग जिम्मेदार हैं इन सब बातों के लिए, उन की तरफ कोई भी आंख उठा कर नहीं देख सकता। मैं जानना चाहता हूँ कि इस विषय में क्या स्थिति है।

**SHRI Y. B. CHAVAN :** This is [again trying to create an unnecessary atmosphere of suspicion against some people. It is not true. Certain cases are under investigation, and certain facts are being enquired into. Unless those investigations are completed, it is very difficult for me to say anything.

**श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :** सस्पिशन है तभी तो सवाल पूछते हैं, अगर सस्पिशन न होता तो फिर सवाल ही क्यों पूछते ?

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी :** एक तरफ तो गृह मंत्री महोदय कहते हैं कि जांच हो रही है और दूसरी तरफ कहते हैं कि यह सत्य नहीं है। अगर सत्य नहीं है तो फिर जांच क्या हो रही है ?

**श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :** मैं इस विषय में यह निवेदन करना चाहता हूँ कि एक प्रकार से मंत्री महोदय का मेरे ऊपर आरोप है कि मैं सस्पिशन क्रिएट कर रहा हूँ। मैं तो कहता हूँ कि सस्पिशन मैं नहीं क्रिएट

कर रहा हूँ, सस्पिशन वह स्वयं क्रिएट कर रहे हैं।

**SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI :** May I know whether, as a result of this pouring in of Pakistani arms into Kashmir, it has contributed in anyway to the recent outbreak of incidents in that part and whether in recent months the number of these arms is increasing and, if so, the number of people arrested so far in this connection ?

**SHRI Y. B. CHAVAN :** As I said, the recent troubles in Kashmir have nothing to do with arms as such, generally speaking; and about other matters, the number of incidents or number of arms that are found, the information has been given here. I would not say that they are on the increase.

**श्री ओंकारलाल बेरवा :** मैं जानना चाहता हूँ कि पिछले दो सालों के अन्दर राजस्थान और काश्मीर में क्या कुछ ऐसे हथियार बनाने के कारखाने पकड़े गये हैं जहाँ पर पाकिस्तानी गुप्तचर सक्रिय हैं और लोगों को शिक्षा दे रहे हैं ?

**SHRI Y. B. CHAVAN :** Whatever information I have, I have already given it here.

**श्री जगन्नाथराव जोशी :** अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि जो हथियार पाये गये उन में से कुछ जो घुसपैठिये 1965 में आये उन के छोड़े हो सकते हैं। मैं समझता हूँ कि सरकार ने उसी समय इस का तो पता लगाया ही होगा। गृह मंत्री होते हुए भी यदि वह इस प्रकार के जवाब देंगे कि वह 1965 के हो सकते हैं, तो यह ठीक नहीं है। हम उन से ठीक जवाब की अपेक्षा करते हैं। हमें खुफिया विभाग से पता चला है कि जो घुसपैठिये 1965 में आये थे उन के द्वारा ही वह छोड़े गये हैं। इस लिये जब तक मंत्री महोदय साफ तौर से कुछ नहीं कहते तब तक हमारे मन में सन्देह तो रहेगा ही।

**SHRI Y. B. CHAVAN :** I did say that sometimes these dumps are found in

concealed conditions, and therefore, naturally, it has to be presumed that they must have been left behind by the 1965 infiltrators. I cannot say that after that no arms have come in, because some arms have been found with some persons. I have said that some persons have been arrested and some persons are convicted. I have said that.

**SHRI INDER J. MALHOTRA :** Just a little while ago, the hon. Home Minister said that investigations are going on. May I know which agencies are conducting these investigations; whether only the State agencies are involved or any of the Central agencies are also involved.

**SHRI Y. B. CHAVAN :** The State agencies are looking into them.

**SHRI GANESH GHOSH :** May I have an idea as to the general nature of the arms that have been found? Apart from the rifles, what are they?

**SHRI Y. B. CHAVAN :** I have given a statement here. If hon. Members want, I can read it, but I do not think it is necessary.

**श्री यज्ञ दत्त शर्मा :** जो वक्तव्य दिया गया है उस में बतलाया गया है कि जम्मू और काश्मीर के करीब हल्की मशीनगनें मिलीं। गृह मंत्री महोदय बतलायें कि वह मशीनगनें किस स्थान पर मिलीं।

**SHRI Y. B. CHAVAN :** I will have to go into great many details about it

मेरे पास सारी जानकारी है। ऐसी बात नहीं है कि जानकारी नहीं है।

I have got all the details here. I am prepared to show them to him. (*Interruption*)

**MR. SPEAKER :** Can you place it on the Table?

**SHRI Y. B. CHAVAN :** I am prepared to show it to him.

**SHRI JYOTIRMOY BASU :** We want to have that statement; it is not for them only. I am particularly interested.

**MR. SPEAKER :** Every Member will have it.

**श्री गुलाम मुहम्मद बखशी :** मैं इतना ही जानना चाहता हूँ कि बांडीपुर और दूसरी जगहों पर जो आर्म्स ऐंड ऐम्प्लिशन डम्प पाये गये, कई टाइप्स आफ आर्म्स, वह किस कदर थे और उस के बाद उन का डिस्पोजल क्या हुआ।

میں اتنا ہی جانتا چاہتا ہوں کہ  
بانڈی پور اور دوسری جگہوں پر جو  
آرمس اینڈ امونیشن ڈمپ پائے گئے ہیں -  
کئی ٹائپس آف آرمس وہ کس قدر تھے  
اور اس کے بعد ان کا ڈسپوزل کیا ہوا۔

**SHRI Y. B. CHAVAN :** Now that he has asked me what exactly has happened about one particular place—

**AN HON. MEMBER :** Bandipur:

**SHRI Y. B. CHAVAN :** Whatever it is—he has asked about the details—if he puts a specific question, I will give him all the details.

**MR. SPEAKER :** I have agreed to a discussion on this subject next week. In the Question Hour, you are not going to get more details. Next question.

भूतपूर्व नरेशों की निजी थैलियों की समाप्ति

+

\*63. श्री यशबन्त सिंह कुशाबाह :

श्री न० कु० साल्वे :

श्री गणेश :

डा० रनेन सेन :

श्री सत्य नारायण सिंह :

श्री प० गोपालन :

श्री ज्योतिर्मय बसु :

श्री नायनार :

श्री देवराव पाटिल :

श्री रमानो :

श्री प्र० न० सोलंकी :

श्री मोहन स्वरूप :

श्री राम सेवक यादव :

श्री क० हल्दर :

श्री वासुदेवन नायर :

श्री सरजू पाण्डेय :